स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक - 3
संस्करण - 06

जून 2024

टेक की बात

एक हरित कल के लिए नवाचार करें!

www.siicincubator.com

गुरु
मंत्र

श्री रोनी बनर्जी
सलाहकार, ईवाय(EY)

भारत में फसल कटाई के बाद का नुकसान: नवाचार के लिए एक अवसर

विश्व की सबसे बड़ी कृषि अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत को फसल कटाई के बाद भारी नुकसान की गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस नुकसान से न केवल कृषि क्षेत्र की उत्पादन क्षमता और दक्षता पर असर पड़ता है, बल्कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और किसान की आय भी प्रभावित होती है। इसमें एक छिपा हुआ अवसर है: भारत अपने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करके किसानों की आय को बढ़ाने और टिकाऊ खेती को प्रोत्साहित कर सकता है।

किसान फसल कटाई के बाद दो प्रकार के नुकसान का सामना करते हैं: मात्रात्मक और गुणात्मक। मात्रात्मक नुकसान का मतलब है कि फसल की मात्रा में कमी हो जाती है। गुणात्मक नुकसान का मतलब है कि फसल की गुणवत्ता, पोषण मूल्य, स्वाद और रंग रूप में गिरावट आ जाती है, जो अक्सर अतिरिक्त नमी और फफूंद वृद्धि जैसे कारकों के कारण होती है। इस समस्या को हल करने के लिए ऐसे नए उपायों की जरुरत है जो दोनों प्रकार के नुकसान को रोक सकें।

मुख्य बिंदु:

- ☑ भौतिक क्षरण और अपघटन उत्पाद की विपणन क्षमता और उपभोक्ता स्वीकार्यता को कमजोर करता है।
- ☑ नुकसान का कारण अपर्याप्त बुनियादी ढांचे से लेकर पर्यावरणीय परिस्थितियां हो सकती है, जिसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।
- ☑ युवा नवप्रवर्तक चुनौतियों का गहराई से सामना कर सकते हैं, और प्रौद्योगिकी तथा नवाचारिक सोच का उपयोग करके प्रभावशाली बदलाव ला सकते हैं।
- ☑ विकसित समाधान उन्नत पूर्वानुमान विश्लेषण से लेकर अधिक प्रभावी पैकेजिंग समाधान तक हो सकते हैं।

इस प्रकार, नई तकनीकों और नवीन समाधानों को अपनाने से कृषि दक्षता बढ़ाई जा सकती है, अपशिष्ट को कम किया जा सकता है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इस क्षमता का उपयोग करके भारत के कृषि परिदृश्य को एक स्थायी भविष्य की ओर अग्रसर किया जा सकता है।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में जून माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05-06

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में जुलाई के लिए निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 08

नवीन इन्क्यूबेशन

नाइट्रोडायनामिक्स एयरोस्पेस एंड डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड, जो अनुपम प्रसाद, रेखा प्रसाद और अवध किशोर प्रसाद द्वारा स्थापित स्टार्टअप है। यह कंपनी ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, सैन्य रग्ड कंप्यूटिंग, और सिमुलेटर में विशेषज्ञता रखती है।

प्रोडोस इंस्ट्रुमेंटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, बालकृष्णन नितिन और बालकृष्णन कविता द्वारा स्थापित स्टार्टअप है। यह नवाचारी स्टार्टअप अत्याधुनिक बायोमेडिकल उपकरणों के निर्माण में विशेषज्ञता रखता है।

सुसनोवेशन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसकी स्थापना गरिमा कपूर नंदा और सुमत नंदा ने की है। यह स्टार्टअप वैश्विक उपभोक्ताओं को अधिक सतत विकल्पों की ओर प्रेरित करने का काम कर रही है। इस कंपनी का उद्देश्य उन्हें ऐसे उत्पाद उपलब्ध कराना है जो उनके कार्बन फुटप्रिंट को कम करें, लेकिन उत्पादों की डिज़ाइन और गुणवत्ता में कोई कमी न हों।

रिसाइटेक नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड, एक स्टार्टअप जिसे रितिक श्रीवास्तव और पुष्पा श्रीवास्तव ने स्थापित किया है। इस कंपनी का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक स्रोतों से अनुकूलनीय नाइट्रोजन जैव उर्वरक(बायोफर्टिलाइज़र) का उत्पादन करना है।

कार्यक्रम

की झलकियां

20 मई को, श्रीमती श्रेया सांघवी मलिक ने बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (BIG) अभियान के तहत करियर कॉलेज भोपाल और आईआईएसईआर(IISER) भोपाल के बाइरैक-ई- युवा(BIRAC E-Yuva) केंद्र का दौरा किया। इस सत्र में अनुदान आवेदन प्रक्रिया, समय-सीमाएं, प्रक्रियाएं और अनुदान प्राप्तकर्ता बनने के चरणों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरे के दौरान BIG भागीदार के रूप में एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर की भूमिका पर प्रकाश डाला गया और अनुदान के अवसरों के बारे में उपस्थित व्यक्तियों के प्रश्नों का समाधान प्रदान किया गया।

और पढ़ें

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने 21 मई को स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञ डॉ. गौरव सिंह के साथ "चाय पे चर्चा" सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बायोस्टिम इनोवेशन, प्रीडॉक.एआई और प्राइमरी हेल्थटेक जैसे स्टार्टअप्स को महत्वपूर्ण उद्योग अंतर्दृष्टि और व्यावसायीकरण के लिए नियामक मार्गदर्शन मिला। इस आयोजन ने भविष्य में विकास और सहयोग का मार्ग प्रशस्त किया।

और पढ़ें

22 मई को, एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर के अधिकारियों ने मर्क लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों से मिलकर संभावित सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। यह चर्चा स्वास्थ्य नवाचार, जैव उत्पादन और जैव विज्ञान में कौशल विकास और उद्यमिता पर केंद्रित थी। इस साझेदारी से एसआईआईसी(SIIC) के स्वास्थ्य केंद्रित स्टार्टअप्स को विकसित करने की विशेषज्ञता और मर्क के उद्योग नेतृत्व कौशल का उपयोग किया जाएगा।

और पढ़ें

सिटी के तहत सोशल इनोवेशन लैब ने 24 मई को एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में प्रमुख वक्ता श्री अनिल जौहरी ने प्रमाण पत्रों के लाभों(Benefits of certifications) पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें विश्वसनीयता, बाजार तक पहुंच और नियामक अनुपालन शामिल थे। इस सत्र में प्रमाणन प्रक्रिया और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार उपयुक्त प्रमाण पत्र का चयन करने के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

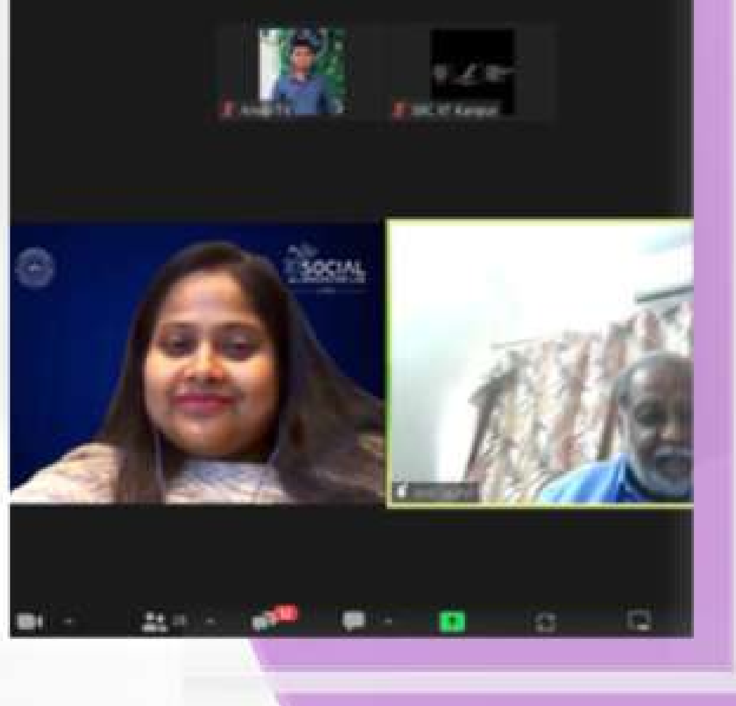

और पढ़ें

कार्यक्रम
की झलकियां

विश्व मासिकधर्म स्वच्छता दिवस(28 मई) पर एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर द्वारा समर्थित माइल्ड केयर्स ने अमीनाबाद उर्फ़ बारागांव में गाइनोकप(GynoCup)-मासिकधर्म कप वितरित किए, जिससे यह उत्तर प्रदेश का पहला "सैनिटरी पैड-मुक्त गांव" बन गया। गाइनोकप एक पुन:उपयोग करने योग्य, पर्यावरण के अनुकूल विकल्प है, जो बेहतर मासिक धर्म स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और संक्रमण के जोखिम को कम करता है।

और पढ़ें

एआईआईडीई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस(AIIDE Centre of Excellence) जो एसआईआईसी(SIIC), स्टार्टइन यूपी उत्तर प्रदेश(StartinUP Uttar Pradesh) और फिक्की(FICCI) द्वारा समर्थित है, जिसने 30 मई को नोएडा में अपने इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम का समापन किया। इस केंद्र ने पांच सालों में 250 एआई/एमएल स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। डॉ. निखिल अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और राहुल कुमार तिवारी उपाध्यक्ष ने तीसरे कोहॉर्ट (समूह) के स्टार्टअप्स के लिए पिचिंग सत्रों का आयोजन किया, जिसमें निवेशकों और मुख्य हितधारकों के साथ संपर्क स्थापित किया गया।

और पढ़ें

31 मई को, एसआईआईसी(SIIC) ,आईआईटी कानपुर ने ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी में, यूडीएएन:यूएवी/यूएएस (UDAAN: UAV/UAS)ड्रोन एक्सेलेरेशन एंड नेटवर्किंग प्रोग्राम के शुभारंभ की घोषणा की। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समर्थित, इस पहल का उद्देश्य यूएवी प्रौद्योगिकी के लिए एक विविध पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। इस कार्यक्रम में चयनित स्टार्टअप्स को अत्याधुनिक सुविधाएँ, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और मानव रहित हवाई वाहनों के क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और डिजाइन के लिए उत्कृष्टता केंद्र(सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में विशेष संसाधनों तक पहुँच प्रदान किया जाएगा।

और पढ़ें

एसआईआईसी(SIIC),आईआईटी कानपुर ने फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे के छात्रों के लिए अपने "बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग प्रोग्राम 2024" के ग्रीष्मकालीन संस्करण का सफलतापूर्वक समापन किया। यह 20 दिनों का इंटेंसिव प्रोग्राम 14 मई से 4 जून तक चला,जिसमें प्रतिभागियों को बायोटेक उपकरण उपयोग, बैक्टीरिया कल्चर तकनीकों, डीएनए विश्लेषण और एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स से उद्यमिता कौशल आदि की जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम ने छात्रों को व्यावहारिक कौशल सिखाने के साथ-साथ उन्हें बायो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए अवसरों के लिए तैयार किया।

और पढ़ें

कार्यक्रम

की झलकियां

10 जून को, हेल्थकेयर इनोवेशन और आइडिएशन प्रोग्राम के फेलोज ने श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टीट्यूट में एक सप्ताह के इंटेंसिव क्लिनिकल इमर्शन का समापन किया। फेलोज ने विभिन्न चिकित्सा विधियों को देखा, चिकित्सकों के साथ संवाद किया और उन चुनौतियों को निर्धारित किया जो चिकित्सकों और रोगियों को सामना करना पड़ता है। इस तीन हफ्ते के कार्यक्रम का उद्देश्य इन समस्याओं का समाधान करने के लिए एक प्रोटोटाइप सॉल्यूशन विकसित करना है, जो क्लिनिकल दक्षता और रोगी के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करेगा। इस पुनरावृत्तीय प्रक्रिया से एक ऐसा व्यावहारिक और नवोन्मेषी समाधान विकसित होगा जिसे वास्तविक दुनिया के धरातल पर इस्तेमाल किया जा सकेगा।

और पढ़ें

एसआईआईसी(SIIC) ने 14 जून को आईआईटी कानपुर में भारतीय सेना के दौरे के दौरान मेजर जनरल विकास लखेड़ा, एवीएसएम, एसएम, एडीजी एमओ(आईडब्ल्यू), ब्रिगेडियर जेएन भट्ट, वीएसएम, सीडीआर(कमांडर), आर्मी साइबर ग्रुप, ब्रिगेडियर एनपी सिंह, ब्रिगेडियर एमआईएसओ, और भारतीय सेना के अन्य प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों की मेजबानी की। उन्होंने साइबर सुरक्षा, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों से जुड़े स्टार्टअप्स के बारे में चर्चाएं कीं। कुछ स्टार्टअप्स ने अपने अभिनव समाधान प्रदर्शित किए और विशिष्ट अतिथियों से सरहाना प्राप्त की।

और पढ़ें

एसआईबी शाइन (SIB SHiNE) फेलोज ने SIB शाइन बायोडिजाइन कार्यक्रम के तहत केजीएमयू, लखनऊ में नैदानिक(क्लिनिकल) विशेषज्ञों के साथ अपनी समस्या विवरणों(problem statement) पर चर्चा की। डॉक्टरों से मिले अमूल्य मार्गदर्शन से उन्हें आईआईटी कानपुर में अपने भविष्य के काम के लिए समस्या विवरण को बेहतर तरीके से समझने और उसे हल करने में मदद मिलेगी।

और पढ़ें

सफलता
की कहानियां

योरनेस्ट वेंचर कैपिटल

को आईआईटी कानपुर के नोएडा एक्सटेंशन सेंटर में इनक्यूबेट किया गया। इस स्टार्टअप ने सांचीकनेक्ट(SanchiConnect) के सहयोग से एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर के साथ एक पारिस्थितिकी तंत्र भागीदार के रूप में "वेलोसिटी: फास्ट ट्रैक स्टार्टअप फंडिंग" नामक एक नया डीपटेक एक्सेलेरेटर कार्यक्रम शुरू किया है। इस सहयोग ने योरनेस्ट की मोनिका पांडे और सांचीकनेक्ट(SanchiConnect) के पुष्पेंद्र विशाल कौशल के साथ मिलकर संभावित निवेश और विकास के लिए स्टार्टअप्स को जोड़ने का काम किया है।

और पढ़ें

पेसिंग ग्रास प्राइवेट लिमिटेड

ने इंडो-इज़राइल एग्रीटेक को-इंक्यूबेशन प्रोग्राम के तहत सिडबी क्लस्टर इंटरवेंशन प्रोग्राम में पहला स्थान हासिल किया। यह कंपनी बांस अवशेषों से बायो कंपोजिट सामग्रियों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देती है। केपीएमजी ने भारत में इजरायल के दूतावास के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। यह सम्मान उनकी स्थायी तकनीक के प्रति नवाचारी दृष्टिकोण को उजागर करती है।

और पढ़ें

साइबर3रा

को उनके नवीन साइबर सुरक्षा बग बाउंटी प्लेटफॉर्म के लिए स्टार्टअप झारखंड द्वारा बेस्ट स्टार्टअप अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

और पढ़ें

एग्रोनेक्स्ट

ने बैंकॉक, थाईलैंड में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन केंद्र (यूएनसीसी) में आयोजित "इम्पैक्ट हार्वेस्ट फोरम" में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त राष्ट्र की अवर महासचिव और संयुक्त राष्ट्र ईएससीएपी(ESCAP) की कार्यकारी सचिव महामहिम श्रीमति अर्मिडा साल्सियाह अलिसजहबाना द्वारा किया गया।

और पढ़ें

लाइफ एंड लिंब

को एएसएमई (द अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स) द्वारा प्रदर्शित किया गया। यह उनके आईएसएचओडब्ल्यू (ISHOW) के पूर्व छात्र विजेताओं को समर्थन देने के प्रयास और प्रोस्थेटिक तकनीक में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए किया गया।

और पढ़ें

समक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड

ने पंजाब क्षेत्र में डेयरी किसानों के साथ सहयोग करने के लिए 11 जून को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस हस्ताक्षर समारोह में कुलपति, डीन, एसोसिएट डीन ऑफ एग्रीकल्चर, और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति शामिल हुए। इस कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के कृषि छात्रों के लिए उद्यमिता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया और पंजाब के फगवाड़ा में 40 अग्रणी किसानों के साथ बैठक भी हुई।

सनसिंक टेक्नोलॉजीज

इस महीने "इनोवेटर से बात" में मिलिए राहुल गुप्ता से, जो सनसिंक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ हैं। यह क्रांतिकारी स्टार्टअप सौर ऊर्जा क्षेत्र में अभिनव कार्य कर रहा है। सनसिंक किफायती, सिंगल (एकल) और डुअल-एक्सिस (द्विअक्षीय) सोलर ट्रैकर्स विकसित करने में विशेषज्ञ है, जो सूरज की रोशनी से अधिकतम बिजली उत्पादन करते हैं।

2019 से, श्री गुप्ता और उनकी समर्पित टीम ने इन नवाचारी ट्रैकर्स को ध्यानपूर्वक बनाया है। इस साक्षात्कार में, उन्होंने सनसिंक की सौर ट्रैकिंग तकनीक की विशिष्ट कार्यक्षमताओं और विशाल व्यावसायिक अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की है।

एसआईआईसी(SIIC): सोलर ट्रैकर कैसे काम करते हैं?

राहुल गुप्ता (आरजी): जैसा कि नाम से स्पष्ट है -सनसिंक (सूरज के साथ सामंजस्य में) हमारे सोलर ट्रैकर किसी भी सोलर पैनल को सूरजमुखी की तरह काम करने में सक्षम बनाते है और पूरे दिन सूरज की गति का स्वचालित रूप से पालन करते हैं, ताकि दिनभर अधिकतम सूर्यप्रकाश प्राप्त हो सके। इससे प्रत्येक पैनल से ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

एसआईआईसी(SIIC): आपके ट्रैकर्स विभिन्न क्षेत्रों को कैसे लाभ पहुंचाते हैं?

आरजी: हम विभिन्न उपयोगों के लिए अनुकूलनीय ट्रैकिंग समाधान प्रदान करते हैं, चाहे वह आवासीय छतें हो या औद्योगिक मेगावाट (MW) सोलर फार्म। हमारे अत्याधुनिक सिंगल और डुअल-एक्सिस ट्रैकर्स न केवल अपनी प्रभावशीलता से उद्योग में क्रांति ला रहे है बल्कि आसानी से उपलब्ध और किफायती भी है। उद्योग के अग्रणी सनसिंक पर भरोसा करते हैं क्योंकि हमारे उच्च प्रदर्शन, कम रखरखाव वाले ट्रैकर्स आपके सौर ऊर्जा उत्पादन को अधिकतम करने और दीर्घकालीन विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किए गए है।

एसआईआईसी(SIIC): अपने स्टार्टअप के विस्तार के लिए आपकी क्या योजनाएं हैं?

आरजी: 2022 में हमारी तकनीक का पेटेंट करवाने के बाद से, सनसिंक कानपुर और नासिक से संचालित हो रही है। सौर पैनलों और कॉन्सेंट्रेटर्स के लिए हमारे सिंगल(एकल) और डुअल-एक्सिस(दोहरे अक्ष) ट्रैकर किसी भी सतह पर काम करने में सक्षम हैं, जो पूरे भारत में आवासीय और बड़े पैमाने पर अनुप्रयोगों दोनों के लिए एकदम उपयुक्त है। एक स्वच्छ भविष्य के लिए सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग को देखकर हम बेहद उत्साहित हैं।

एसआईआईसी(SIIC): सरकारी योजनाएं कैसे फायदेमंद हैं?

आरजी: सरकारी पहल जैसे पीएम सूर्यधार योजना और कुसुम, जिन्होंने सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाई और किसानों को सौर सिंचाई पंपों के माध्यम से सशक्त किया। सनसिंक इस स्वच्छ ऊर्जा स्रोत की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए आगे आया है। हमारे नवाचारी सोलर ट्रैकर्स यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक पैनल जितना संभव हो सके उतना सूर्य का प्रकाश प्राप्त करे, जिससे दुनिया के सबसे बड़े स्वच्छ ऊर्जा स्रोत का लाभ उठाया जा सके।

> "सूर्य का अनुगमन करें, ऊर्जा का संचयन करें"
>
> ...राहुल गुप्ता

अंक - 3 | संस्करण - 06 | जून 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

जुलाई 22 2024

बायोइनोवेशन कार्यक्रम(Bioinnovation Program)

आवेदन के लिए यहां क्लिक करें

www.siicincubator.com

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

ज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

उद्योग

अंतर्राष्ट्रीय

सेवा

क्लीनिकल

अंक - 3 | संस्करण - 06 | जून 2024

जून 2024

टेक की बात

एक हरित कल के लिए नवाचार करें!

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर, ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा